University in News on 08 April 2022

JAGRAN CITY PAGE I & III

एमए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमए के विभिन्न पाठ्यक्रमों का जारी किया परीक्षा कार्यक्रम

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने परास्नातक परीक्षाओं का कार्यक्रम गुरुवार शाम को जारी कर दिया। एमए प्रथम सेमेस्टर के विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 11 से 27 अप्रैल तक होंगी। स्नातक की तर्ज पर परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं में भी पहली बार हरदोई, रायबरेली, लखीमपुर खीरी और सीतापुर के कालेजों के विद्यार्थी भी शामिल होंगे। परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जारी किया जा रहा है। छात्र-छात्राएं वेबसाइट के माध्यम से इसे देख सकते हैं।

इनकी परीक्षाएं भी तय: बैचलर आफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस सेमेस्टर-1 (न्यू सिलेबस) की परीक्षाएं 18 से 25 अप्रैल, बैचलर आफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस सेमेस्टर-1 (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 18 से 26 अप्रैल तक होंगी। इसी तरह मास्टर आफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस सेमेस्टर-1(न्यू सिलेबस) की परीक्षाएं 18 से 23 अप्रैल और तरह मास्टर आफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस सेमेस्टर-1(सीबीसीएस) की परीक्षाएं 18 से 24 अप्रैल तक होंगी।

यह है परीक्षा कार्यक्रम

- एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सेमेस्टर-1 : 11 अप्रैल-थ्योरी आफ मार्डर्न गवर्नमेंट, 13 अप्रैल-एडमिनिस्ट्रेटिव थ्योरी एंड प्रिंसिपल्स-1, 16 अप्रैल-इंडियन कांस्टीट्यूशन एंड गवर्नमेंट, 18 अप्रैल-इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन, 20 अप्रैल-ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, 22 अप्रैल-एथिक्स इन गवर्नेंस (वैल्यू एडेड)।
- मास्टर आफ हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन सेमेस्टर-1 : 11 अप्रैल-जनरल मैनेजमेंट, 13 अप्रैल-ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, 16 अप्रैल-फाइनेंशियल मैनेजमेंट, 18 अप्रैल-मैटीरियल एंड इक्यूपमेंट मैनेजमेंट, 20-सोशल एंड प्रिवेंटिव गेरियाट्रिक्स, 22-कम्युनिकेशन स्किल्स एंड पब्लिक रिलेशन।
- एमए इकोनामिक्स सेमेस्टर 1-16 अप्रैल : माइक्रो इकोनामिक्स, 18 अप्रैल-इंटरनेशनल इकोनामिक्स, 20 अप्रैल- स्टैटिस्टिकल एंड इकोनामिक्स मैथेड्स, 22 अप्रैल-एंवायरमेंट इकोनामिक्स, 25 अप्रैल-मैथमैटिक्स फार इकोनामिक्स एनालिसिस, 27 अप्रैल-इकोनामिक्स आफ एग्रीकल्चर।
- पीजी डिप्लोमा इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सेमेस्टर-1: 18-प्रिंसिपल्स आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 20-इंडियन गवर्नमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन, 22 अप्रैल-पब्लिक पर्सनल एडमिनिस्ट्रेशन।
- एमए पर्शियन सेमेस्टर-1 : 18 अप्रैल-पेपर 1, 19 अप्रैल-पेपर 2, 20 अप्रैल-पेपर 3, 21 अप्रैल -पेपर 4, 22-पेपर 5, 23 अप्रैल-पेपर 6।
- एमए फिलासफी सेमेस्टर-1 न्यू कोर्स : 16 अप्रैल-फिलासफी एनालिसिस-1, 18 अप्रैल-लाजिक-1, 19 अप्रैल-सेलेक्टेड क्लासिक-1, 21 अप्रैल-फिलोसाफिकल अप्रोचेज टू गांधी आइडिया, 22 अप्रैल- योगिक प्रैक्टिसेस एंड बिजनेस एथिक्स।

कुलपति के निरीक्षण में 22 कर्मचारी मिले अनुपस्थित

लवि में सख्त निर्देश के बाद भी विभागों और कार्यालयों में कर्मचारी समय से नहीं पहुंच रहे। गुरुवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रसायन शास्त्र विभाग, भौतिक विज्ञान विभाग, कैशियर कार्यालय और डीन फैकल्टी आफ आर्ट के कार्यालय का निरीक्षण किया। विभागाध्यक्ष तो मिले, लेकिन 22 कर्मचारी अनुपस्थित थे। सभी कर्मचारियों को कठोर चेतावनी दी गई। सुबह सवा दस बजे से कुलपति ने निरीक्षण शुरू किया। इस दौरान रसायन शास्त्र विभाग में लैब बियरर मनीराम, परिचर रामू, लैब बियरर रेखा रानी, चौकीदार राजकुमार, गुरुदयाल, सफाई कर्मचारी राजकुमार, सीनियर लैब असिस्टेंट डीके श्रीवास्तव, लैब असिस्टेंट सर्वेश चंद्रा, भौतिक विज्ञान विभाग में सीनियर लैब असिस्टेंट राजेश कुमार, पीपी तिवारी, कनिष्ठ सहायक रामसुफल, लैब बियरर बद्री प्रसाद, कालिका प्रसाद, आशीष कुमार, रजत विश्वकर्मा, चौकीदार सुख बहादुर, सत्येंद्र कुमार, परिचर नितिन कुमार अनुपस्थित मिले। इसी तरह कैशियर कार्यालय में प्रभारी गीता सक्सेना, असिस्टेंट सिस्टम मैनेजर दिलीप शंकर, वरिष्ठ सहायक संजू पांडेय और चौकीदार वीरेंद्र अनुपस्थित मिले।

फर्जी एफडीआर से ठेका, तीन फर्म काली सूची में

लखनऊ विश्वविद्यालय

- सिविल कार्यों की निविदाओं के लिए किया खेल
- कुलपति ने कमेटी बनाकर दिए थे जांच के आदेश

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सिविल कार्यों के लिए हुई निविदाओं को पाने में तीन फर्मों ने फर्जी एफडीआर (फिक्स डिपाजिट रिसीट) लगा दिए। मिलीभगत की वजह से कुछ कार्यों का ठेका लेकर कार्य भी शुरू कर दिया गया। मामला प्रकाश में आया तो कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कमेटी बनाकर जांच के आदेश दिए। रिपोर्ट आने के बाद अब तीनों फर्म को काली सूची में डालते हुए सभी निविदाएं निरस्त कर दी गई हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सितंबर-अक्टूबर 2021 में करीब 40 लाख रुपये के विभिन्न सिविल कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित की थीं। इसमें मेसर्स इंदिरा कंस्ट्रक्शन, मे. मानस कंस्ट्रक्शन और मे. आसमा इंटरप्राइजेज ने निविदाओं के लिए पंजाब नेशनल बैंक आलमबाग के नाम से एफडीआर लगाई। ये निविदाएं जिस अवर अभियंता के पास थीं, कार्यों के प्रति उदासीनता को देखते हुए उन्हें कार्य से हटा दिया गया था। शक होने पर जब इन निविदाओं से संबंधित प्रपत्र अन्य अवर अभियंताओं को भेजे गए तो पता चला कि 13 कार्यों में एफडीआर फर्जी लगाए गए हैं।

कार्य अधीक्षक डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सहायक अभियंता सिविल एसपी शुक्ला को गलत एफडीआर वाली तीनों फर्मों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए थे। साथ ही, बैंकों से एफडीआर का सत्यापन कराने के भी कहा गया। अनुबंध और कार्यादेश सहायक अभियंता द्वारा ही किए जाते हैं। बैंक ने बताया कि तीनों फर्म के एफडीआर फर्जी हैं। कार्य अधीक्षक ने आगे की कार्यवाही के लिए प्रकरण कुलपति को भेज दिया। उन्होंने लीगल एडवाइजर, लेखाधिकारी और सहायक कुलसचिव की तीन सदस्यीय कमेटी बनाकर जांच के आदेश दिए थे।

NBT PAGE 6

एलयू ने 3 फर्मों को किया ब्लैक लिस्ट

एनबीटी, लखनऊः एलयू में सिविल कामों के लिए टेंडर पाने वाली तीनों फर्मों को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। आरोप है कि फर्मों एफडीआर फर्जी लगाए हैं। एलयू प्रशासन ने इस पर कार्रवाई भी शुरू कर दी है। इससे पहले सहायक अभियंता सिविल एसपी शुक्ला को लापरवाही के चलते प्रशासनिक और वित्तीय दायित्वों से 23 मार्च को विरत कर दिया गया था। इन तीन फर्मों में इंदिरा कंस्ट्रक्शन, मानस कंस्ट्रक्शन और आसमा इंटरप्राइजेज शामिल हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

फर्जी एफडीआर लगाने पर तीन फर्म ब्लैकलिस्टेड

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विवि प्रशासन ने फर्जी एफडीआर लगाकर काम लेने वाली तीन फर्मों को ब्लैकलिस्टेड कर दिया है। साथ ही विवि प्रशासन के अनुसार सितंबर-अक्तूबर 2021 में विभिन्न सिविल कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की गई थी। यह निविदाएं जिस अवर अभियंता के पास थी, उनको कार्यों के प्रति उदासीनता को देखते हुए काम से हटा दिया गया।

जब उक्त निविदाओं से संबंधित प्रपत्र की जांच की गई तो पता चला कि 13 कार्यों में एफडीआर फर्जी हैं। सात जनवरी को एसपी शुक्ला सहायक अभियंता सिविल को गलत एफडीआर लगाने वाली फर्मों को नोटिस जारी करने और बैंकों से इनको सत्यापित कराए जाने को कहा गया। बैंक ने जांच कर बताया कि कि यह एफडीआर फर्जी हैं। मामला कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के संज्ञान में लाते हुए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया गया। कमेटी ने जांच कर रिपोर्ट कुलपति को दी। इसके आधार पर फरवरी में 13 में से सात निविदाओं को निरस्त कर दिया गया, जबकि छह का प्रकरण कमेटी के सामने रखा गया। विवि के कार्य अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि छह कार्यों में से किसी का भी भुगतान नहीं किया गया है जबकि सात काम निरस्त कर दिए गए। साथ ही सहायक अभियंता सिविल एसपी शुक्ला को लापरवाही के कारण प्रशासनिक और वित्तीय दायित्वों से 23 मार्च को विरत कर दिया गया। आगे नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

कार्यों में उदासीनता के चलते अवर अभियंता को हटाया गया

i-NEXT PAGE 5

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने दागी फर्मों से छीना काम

13 ठेकों में लगा दी गई फर्जी एफडीआर

LUCKNOW (7 Apr, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी के करीब एक दर्जन से अधिक ठेकों में फर्जी एफडीआर से करोड़ों का काम पाने वाली दागी फर्मों से काम छीन लिया गया और कार्यों के भुगतान पर भी रोक लगा दी गई. वीसी और रजिस्ट्रार ने ठेकेदारों के खिलाफ जांच भी बैठा दी है. हालांकि अभी इस मामले में कोई केस नही दर्ज किया गया है.

CONCEPT PIC

हटाए गए इंजीनियर, जूनियर को मिला चार्ज, ठेके भी हुए निरस्त

2021 को जारी हुए थे टेंडर

सितंबर-अक्टूबर 2021 में यूनिवर्सिटी में विभिन्न सिविल कार्यों के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए थे. इसके बाद टेंडर अवर अभियंता एसपी शुक्ला के पास थे, घोटाले का खुलासा होने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उन्हें कार्य से हटा दिया गया. निर्माण विभाग के अधीक्षक दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि जब सभी टेंडर से संबंधित प्रपत्र अन्य अवर अभियंताओं को दिए गए तब पता चला कि 13 कार्यों में लगी एफडीआर फर्जी है.

जारी की गई नोटिस

इसके बाद एसपी शुक्ला को निर्देशित किया कि जिन तीन फार्मों मे. इंदिरा कंस्ट्रक्शन, मे. मानस कंस्ट्रक्शन और मे. आसमा इंटरप्राइजेज को नोटिस जारी की गई.

बैंक ने बताया एफडीआर फर्जी

बैंक ने अवगत कराया कि यह एफडीआर फर्जी हैं. जिसके बाद वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के आदेश पर इस प्रकरण के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया. कमेटी ने पूरी प्रक्रिया की जांच करने बाद अपनी रिपोर्ट वीसी को सौंप दी. प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि फरवरी माह में ही 13 में से 07 टेंडर को निरस्त कर दिया गया. जबकि 6 का प्रकरण कमेटी के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया गया था. इन 06 कार्यों में से किसी भी कार्य का भुगतान नहीं किया गया है, जबकि 07 कार्य निरस्त ही कर दिए गए थे. इसी क्रम में एसपी शुक्ल सहायक अभियंता सिविल को उनके लापरवाही के कारण प्रशासनिक और वित्तीय दायित्वों से हटा दिया गया.

नहीं दर्ज कराई एफआईआर

प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश शासन के नियमों में भले ही स्पष्ट हो कि यदि ई-टेंडरिंग में कोई गलत ढंग से फर्जी एफडीआर लगाता है तो इसके खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया जाए लेकिन उसके बावजूद भी लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन अभी भी नोटिस नोटिस खेल रहा है. वही रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह का कहना है कि भ्रष्टाचार के मामले मे जो भी दोषी होगा उस पर सख्त एक्शन लिया जाएगा.

एसपी शुक्ल सहायक अभियंता सिविल को लापरवाही के कारण प्रशासनिक और वित्तीय दायित्वों से हटाया गया.

HINDUSTAN PAGE 6

13 कार्यों में फर्जी एफडीआर पर फर्मों से काम छीना गया

कार्रवाई

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के 13 से अधिक ठेकों में फर्जी एफडीआर के जरिए करोड़ों का काम पाने वाली दागी फर्मों से गुरुवार को काम छीन लिया गया। उनके सभी कार्यों के भुगतान पर भी रोक लगा दी। लखनऊ विवि के कुलपति और रजिस्ट्रार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठेकेदारों के खिलाफ जांच भी बैठा दी है। हालांकि अभी किसी के खिलाफ एफआईआर नहीं हुई है।

विगत वर्ष सितंबर-अक्टूबर माह 2021 में लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न सिविल कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। ये निविदाएं अवर अभियंता एस.पी. शुक्ला के पास थीं, जब घोटाले का भंडाफोड़ हुआ तब जाकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें कार्य से हटा दिया। निर्माण विभाग के अधीक्षक दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि जब उक्त निविदाओं से संबंधित प्रपत्र अन्य अवर अभियंताओं को प्राप्त कराए गए तब यह प्रकरण संज्ञान में आया कि 13 कार्यों में एफडीआर फर्जी हैं। एसपी शुक्ला, सहायक अभियंता सिविल को निर्देशित किया कि जिन तीन फर्मों के एफडीआर गलत पाए, उनको नोटिस जारी कर बैंकों से सत्यापित कराया जाए। अनुबंध और कार्यादेश सहायक अभियंता द्वारा ही किए जाते हैं। तीनों फर्मों को ब्लैक लिस्ट कर नियमानुसार कार्रवाई हो रही है।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 2

लविवि बीएलएसी-स्नातक व परास्नातक सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लविवि ने बृहस्पतिवार को बीएलएससी के स्नातक व परास्नातक के पहले सेमेस्टर का संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी किया है। नए कार्यक्रम के तहत बीएलएससी के पहले सेमेस्टर में नवीन पाठ्यक्रम के तहत पहले से पांचवें प्रश्न पत्र की परीक्षाएं क्रमशः 18, 20,21, 23 व 25 अप्रैल को प्रातः नौ से 12 बजे तक होंगी। इसी प्रकार बीएलएससी के पहले सेमेस्टर में सीबीसीएस पाठ्यक्रम के तहत पहले व दूसरे प्रश्न पत्र की परीक्षा 18 व 20 अप्रैल को होंगी। 21 को ग्रुप ए व बी में लाइब्रेरी क्लासिफिकेशन प्रैक्टिस-एक की परीक्षाएं प्रातः नौ बजे से 12 बजे तक होंगी। इसके अलावा बीएलएससी पाठ्यक्रम के पहले सेमेस्टर में सीबीसीएस के तहत लाइब्रेरी क्लासिफिकेशन-ग्रुप सी व लाइब्रेरी कैटलागिंग-प्रैक्टिस एक की परीक्षा 21 अप्रैल को अपराह्न दो से पांच बजे तक होंगी। इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी व एथिक्स इन लाइब्रेरियनशिप की परीक्षा क्रमशः25 व 26 अप्रैल को अपराह्न दो से पांच बजे तक होगी। उधर लविवि ने बृहस्पतिवार को ही लाइब्रेरी साइंस में मास्टर डिग्री के पहले सेमेस्टर का संशोधित कार्यक्रम भी जारी किया है।

AMRIT VICHAR PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय ने दागी फर्मों को किया कार्यमुक्त

अमृत विचार,लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने दागी फर्मों से गुरुवार को कार्यमुक्त कर दिया गया। इन फर्मों पर विश्वविद्यालय के एक दर्जन ठेकों में फर्जी एफडीआर के जरिए करोड़ों के गोलमाल का आरोप है। इसके साथ ही पूरे मामले में कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने जांच के आदेश दिए हैं।

दरअसल, वर्ष सितंबर-अक्टूबर माह 2021 में लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न सिविल कार्यों हेतु टेंडर आमंत्रित की गई थी। इसके बाद टेंडर अवर अभियंता एसपी शुक्ला के पास थी, जब घोटाले का खुलासा होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें कार्य से हटा दिया। हालांकि इस बाबत निर्माण विभाग के अधीक्षक दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि जब सभी टेंडर से संबंधित प्रपत्र अन्य अवर अभियंताओं को प्राप्त कराये गये तब यह प्रकरण संज्ञान में आया कि 13 कार्यों में एफडीआर फर्जी लगाए गए हैं।